वर्ष 28, अंक 01 जनवरी-2026 ₹ 3/-

तमिलनाडु के सेलम से पिछले 28 वर्षों से बिना किसी सरकारी अनुदान के निरंतर प्रकाशित होनेवाली, हिन्दीतर भाषी क्षेत्र की यह एकमात्र हिन्दी मासिक पत्रिका है।

हर घर में हिन्दी, हर मन में हिन्दी।

शबरी

Shabari Siksha Samachar शिक्षा समाचार

अक्षया – पुस्तक विमोचन

शबरी हिन्दी वाणीधर सम्मान पाते हुए सम्मानार्थी

संपादक की कलम से ...

प्रिय पाठक बन्धुवर, सस्नेह वन्दे ।

भाषा मानव के मन तथा जीवन को हमेशा आगे बढ़ाने तथा प्रसन्न रखने का प्रयास करती रहती है । भाषा के अभाव में मानव कभी भी अपने मन के भावों तथा विचारों को दूसरों तक पहुँचा नहीं पाता । भाषा मानव मन से संबंधित एक ऐसी संपत्ति है जिसके अर्जन से मानव ज्ञान तथा सुख का अनुभव कर पाता है । सुख मात्र रही अपने दुख और दुरुस्त स्थिति का भी वर्णन वह भाषा का ही प्रयोग से कर पाता है ।

हिन्दी भाषा और बोली दोनों रूपों में मधुरतम ठहरती है । व्याकरण-बद्ध हिन्दी पढ़ने तथा पढानेवाले दोनों को खुशी का अनुभव प्रदान करती है । बोली के रूप में भी हिन्दी भारत भर के ही नहीं विदेशियों के भी मन जीत लेती है ।

भारत की भाषा, बहुमत की भाषा, सबकी प्यारी हिन्दी भाषा के प्रचार प्रसार में शबरी शिक्षा संस्थान का काम सुप्रसिद्ध है । **हर घर में हिन्दी हर मन में हिन्दी** को स्थान देने के उद्देश्य से इस संस्थान से बहुत अधिक कार्य किये जा रहे हैं । वाणी विकास के आठों स्तरों में उत्तीर्ण छात्रों का सम्मान करने के लिए शबरी परिवार की ओर से विद्या उत्सव-2025 का आयोजन सेलम शहर में बड़ी धूमधाम से किया गया था । 400 से अधिक विजेताओं का यह विजयोत्सव उनके अभिभावक सहित अध्यापकों का भी मान सम्मान बढ़ानेवाला महत्वपूर्ण कार्य सिद्ध हुआ । चमकते चेहरों पर झलकता अभिमान और खुशी देखकर शबरी परिवार संपूर्ण रूप से खुशी का अनुभव कर रहा है ।

हर साल सितम्बर के महीने में हमें ऐसा मौका निरंतर मिलते रहें । इस उत्सव को सफल बनानेवाले हिन्दी हृदयों को बधाइयाँ और हिन्दी प्रेमियों को ढेर सारा प्यार ।

जय हिन्द ! जय हिन्दी !!

करो वाणी का विकास

– साहित्य रत्न श्री. जेमि,
कोवै, तमिलनाडु

जन्म के तुरंत बाद कोई जादू नहीं हुआ, हाँ नहीं हुआ
जो कुछ भी हुआ सिर्फ और सिर्फ अपने कारण हुआ
कह सकते हैं कोई माता ने सिखाया कुछ और कहे या माने
पिता ने मेरे हाथ बढ़ाया साथ चलना सिखाया बड़े प्यार से
शिक्षकों का भी नाम लेते हैं बहुत सारे बच्चे दिल के सच्चे
भाई बहन को भी कभी–कभी मिल जाता है वह श्रेय यहाँ
सच बताओ कम से कम अब तो तुम जान लो क्या हुआ ?
सब ने साथ दिया हाँ तुम्हारा साथ परिवार वह पूरा दिया ।

सीखने का माहौल सबने मिलकर ही तब बनाया
सीखना किसके हाथ में था बताओ तुम दिमाग लगाओ
बाहर से कोई परी नहीं आई अंदर से तुमने अलख जगाया
सुना था ध्यान दिया था करने का पूरा कोशिश तो किया था
आत्मविश्वास के साथ उठना बैठना तुमने सीखा था खुद से
चलना ही नहीं दौड़ना भी अपने आप ही तब कर पाया था
बोली की बात तुम मत बोलो, बोल–बोलकर तुमने दिल जीता था
भाषा उसे भी बड़ी आशा के साथ तुमने ही अपनाया था ।

वाणी विकास वह तो भगवान का ही देन है फिर क्या देरी है ?
भाषा एक हो या दो चार हो प्रयास ही सबसे प्रधान है
भय को प्रधानता ना देकर भाव को दे सदा यही आधार है
अक्षर से शुरू होगी यह यात्रा शब्दों की फिर भरमार हो पूरा
वाणी का विकास करो जान लो तुम प्रवाह की महान सूत्र
बोलना बोलने से आता है मत रोको अपने आप को बोलते रहो
शबरी के साथ चलो, संतोष तुम हर मन में हर घर में भरो
हिन्दी वाणी हमारी है, यह सदा बनी रहे प्राणों से भी प्यारी है ।

मंच पर मन भर

- विद्या सागर आर.जे. संतोष कुमार,
कोवै, तमिलनाडु

मानव का जीवन आज कितना बदल चुका है ? जब कभी मैं रामायण के बारे में सोचता हूँ तो सबसे पहले मेरे मन में यही बात आया करती है कि उत्तर भारत में अयोध्या से लेकर दक्षिण भारत को छूते हुए श्रीलंका तक सीता मैया को वापस ले जाने के लिए श्री राम जी ने जो यात्रा की थी उसका वर्णन शब्दों में भी कर पाना हमारे लिए बहुत ही मुश्किल है। भारत प्रांत के एक छोर से दूसरे छोर तक पैदल जाना और वहाँ से सीता मैया को वापस लेकर अयोध्या पहुँचना इतनी बड़ी बात है कि आज के इस अत्याधुनिक वैज्ञानिक युग में भी उसे कर पाना मुश्किल है। श्री राम की यात्रा अयोध्या से लेकर दक्षिण क्षेत्र रामेश्वरम तक पहुँचती है। हजारों साल पहले जब हमारी यह प्यार भरी धरती हरी भरी जंगलों से भरी हुई थी तब भी यहाँ तक आ जाना और वह भी सबसे नजदीक रास्ता अपना कर पहुँच पाना बहुत ही आश्चर्यजनक बात होती है। अपने राज्य से बाहर लिखकर कर श्री राम के दर्शन कितने लोगों से होता है। सुग्रीव, हनुमान, वाली इन सबसे मिलने के साथ अपने झूठे बेर से राम की अत्यंत प्यार की प्रदर्शनी करनेवाली शबरी माता की कहानी मन को मोह लेती है। रामायण भारत की शोभा है। राम और शबरी माता का प्यार तो विश्व के किसी और क्षेत्र में पाया नहीं जाता है। शबरी नाम का अपना अलग पहचान है। शबरी नाम से मुझे सेलम में स्थित शबरी शिक्षा संस्थान की याद आती है। **हर घर में हिन्दी हर मन में हिन्दी** को स्थान देने के लिए यह संस्थान अनुपम कार्य करता रहा है। हिन्दी के विकास के लिए वाणी विकास परीक्षा का आयोजन करते हुए हर मन में बोलचाल हिन्दी को स्थान देने का प्रयास इनसे किया जा रहा है।

वाणी विकास परीक्षा में उसके आठों स्तरों में उत्तीर्ण या परीक्षार्थियों को प्रमाण पत्र से सम्मानित करने के लिए इनसे विद्या उत्सव-2025 का आयोजन किया गया था। तमिलनाडु भर के छात्र इस उत्सव में भाग लेने के लिए आमंत्रित किए गए थे। मैं भी मेरी बेटी के साथ मदुरै से सेलम जाने के लिए तैयार हुआ। अपनी संतान को **मंच पर मन भर** कर देखने के लिए हर माता-पिता का प्रयास निरंतर बना रहता है। मंदिर शहर मदुरै में मेरी बेटी हिन्दी सीख

रही थी । यह तो उसकी हिन्दी अध्यापिका की अनुकंपा है कि उनसे वाणी विकास परीक्षाओं का परिचय हमें मिला था । कक्षा में सिर्फ वही नहीं थी कुछ और लड़कियाँ भी थी जो इन परीक्षाओं के लिए तैयार हो रहे थे । मेरी बेटी के साथ समय बिताने के कारण मुझे भी वाणी विकास परीक्षाओं के किताबों पर नजर डालने का अवसर मिल ही गया था । हर श्रेणी की किताबों में इतनी सुंदर बातों का वर्णन था की पढ़नेवालों की रुचि अपने आप बढ़ती जा रही थी । सच तो यही है कि उन्हें किताबों से मैं भी हिन्दी बोलना शुरू कर चुका था । आप हमारी यात्रा सेलम की ओर थी । मेरी बेटी को वातानुकूलित बस में जाना था । हम दोनों आराम से लेते हुए सेलम पहुँच गए ।

विद्या उत्सव का आयोजन सेलम के जयराम कॉलेज में किया गया था । मुझे एक बात पर शबरी के पदाधिकारियो से इतना गुस्सा आया कि उन्होंने मेरी बेटी के साथ बैठकर मंच पर उसके प्रमाण पत्र पाने का दृश्य देखने का अवसर नहीं दिया गया । अभिभावक तथा अध्यापकों के लिए ऊपर एक विशालकाक्ष पर बैठकर टीवी स्क्रीन में देखने का ही मौका प्रदान किया गया था । उत्सुकता से भारी भीड़ को देखकर मेरा गुस्सा शांत हो गया था । टी.वी. स्क्रीन पर ही सही कम से कम देखने का मौका तो मिला । अन्य लोगों की बात थी मैं भी अपने सीट पर विराजमान हो गया था ।

कार्यक्रम का संचालन वाणी विकास के पुस्तक रचयिता कर रहे थे । एक-एक करके मुख्य अतिथि विशेष स्थिति थी सबका भाषण खत्म हो गया । इसके बाद मनोनीत वक्त आ ही गया । एक-एक करके सम्मानार्थी मंच पर बुलाये गये । सबको प्रमाण पत्र तो मिल ही रहा था । मेडल भी दिए जा रहे थे । इन सब के अलावा बीच-बीच में समानार्थियों को अपने मन का विचार व्यक्त करने का भी अवसर दिया गया था ।

मेरी जिंदगी के सबसे स्वर्णिम पल वे थे जब मेरी बेटी माइक लेकर अपनी माँ की बात हिन्दी में बिना कोई रुकावट प्रकट कर रही थी । मंच पर मेरी बेटी को बात करते हुए देखकर मेरा मन भर गया था । हर बेटी को हर बेटे को ऐसा ही मौका मिलते रहे । हर दिन हर शाम मेरे हर प्रार्थना में मैं ईश्वर से यही प्रार्थना करता आ रहा हूँ । अवसर देने के साथ आत्मविश्वास भरना हर किसी से नहीं बनता । इसके लिए ऐसे हजारों संस्थाओं की जरूरत है ।

சபரியின் வித்யா உத்சவ்-2025

- எம். ஸ்ரீதர்,
நிறுவனர், சபரி சிக்ஷா சன்ஸ்தான், சேலம்

வாணி விகாஸ் தேர்வுகளின் 8 நிலைகளையும் வெற்றிகரமாக முடித்து தமது ஹிந்தி அறிவை வளர்த்துக் கொண்ட அனைவருக்கும் **சபரி ஹிந்தி வாணிதர்** விருது வழங்கும் விழா 30-11-2025 அன்று **சேலம் ஜெயராம் கல்லூரி** வளாகத்தில் நடைபெற்றது. விழாவின் முக்கிய விருந்தினராக **திரு. பண்ணாலால்,** IRSE, Divisional Railway Manager, Southern Railway, Salem Division, Salem மற்றும் சிறப்பு விருந்தினர்களாக **திரு. கே. நாகராஜன்,** General Manager (GA, PR&CSR), Steel Authority of India Limited, Salem Steel Plant, Salem, **திரு. ஆர். ஜெயகரன்,** M.A. (Eng), M.A. (Hin), B.Ed., M.Phil., Ph.D., Executive Committee Member, D.B.H.P. Sabha, Central & Tamilnadu Sabha அவர்கள் கலந்துகொண்டு சிறப்புரையாற்றினர். சபரியின் சேவைகளை வெகுவாக பாராட்டிய விருந்தினர்கள் வாணி விகாஸ் தேர்வுகளை வெற்றிகரமாக முடித்து தமது மொழிப் புலமையை வளர்த்துக் கொண்ட அனைத்து மாணவர்களின் திறமையையும் பாராட்டினர்.

உடன் வந்த பெற்றோர்களும் ஆசிரியர்களும் இன்னும் ஒரு அரங்கத்தில் அமர்ந்து நேரலை மூலமாக தமது மாணவர்களும் பிள்ளை செல்வங்களும் விருது பெறுவதை கண்டு மகிழ்ந்தனர். நேரில் வந்திருந்த ஒவ்வொரு மாணவருக்கும் சான்றிதழ், பதக்கம் மற்றும் மும்மொழி அகராதி ஒன்றும் வழங்கப்பட்டது. விழாவில் பங்கேற்ற ஒவ்வொரு மாணவரும் வாணி விகாஸ் தேர்வுகள் எளிமையாக இருந்ததுடன் மிகவும் உபயோகமாக இருந்தன என்ற தமது கருத்தை தெரிவித்தனர். அனைவருக்கும் மதிய உணவு ஏற்பாடு செய்யப்பட்டிருந்தது. விழா ஏற்பாடுகளை விருது பெறுபவர்களும் ஆசிரியர்களும் பெற்றோர்களும் வெகுவாக பாராட்டினர்.

சபரி வாணி விகாஸ் தேர்வுகளை முழுமனதுடன் எழுதிய தேர்வர்களுக்கும், முழு முக்கிய காரணமாக இருந்து சபரியை தொடர்ந்து ஆதரித்து வரும் ஹிந்தி ஆசிரியர்களுக்கும் பெற்றோர்களுக்கும் எங்களை வாழ்த்தும் பெரியோர்களுக்கும் எங்களது மனமார்ந்த நன்றியை தெரிவித்துக் கொள்கிறோம். தங்களின் மேலான ஆதரவோடு எங்களது சேவையானது தொடர்ந்து நடைபெறும் என்பதையும் பெருமகிழ்ச்சியுடன் தெரிவித்துக் கொள்கிறோம்.

நன்றி.

गणपति वंदना
शबरी परिवार की आराधना

दीप प्रज्वलन करते हुए मंगलमय शुभारंभ

दक्षिण रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक श्री. पन्नालाल के साथ शबरी के कोषाध्यक्ष श्री. एस. विजयमुकेश

सेलम इस्पात संयंत्र के महाप्रबंधक श्री. के. नागराजन को सस्नेह स्वागत करते हुए शबरी के अध्यक्ष श्री. एम. वेंकटेश्वरन

डॉ. आर. जयकरन को शबरी परिवार का प्यार और आदर दर्शाते हुए श्री. एम. वेंकटेश्वरन एवं श्री. एम. श्रीधर

बड़े प्यार का
प्रदर्शन करते हुए
श्री. जे. राजेंद्र प्रसाद
के साथ

हिन्दी प्रेमी और
शबरी मित्र
श्री. के. जयकुमार
के साथ शबरी के अध्यक्ष
श्री. एम. वेंकटेश्वरन

शबरी परिवार का
प्यार दर्शाते हुए
साहित्य पुत्र शबरी
चित्र प्रधान सचिव
श्री. आर.जे. संतोष कुमार
के साथ

विद्या उत्सव 2025 एक झलक

शबरी हिन्दी वाणीधर सम्मान 'वाणी विकास' परीक्षार्थी के विजय और समर्पण भाव का सम्मान करता है। सम्मानार्थी की भाव-भंगिमा स्पष्ट रूप से यह घोषणा कर रही थी कि हिन्दी हृदय की भाषा है, भारत की अपनी सबसे प्रिय भाषा है।

– आर.जे. संतोष कुमार, प्रधान सचिव, शबरी शिक्षा संस्थान, सेलम

विद्या उत्सव में सम्मानार्थियों का उत्साह बढ़ाते हुए

वाणी विकास का विजयोत्सव

ईश्वर की कृपा से हमारी हिन्दी सेवा और यह उत्सव युगों-युगों तक निर्बाध चलता रहे। आप सबका जीवन मंगलमय हो तथा हिन्दी और हिन्दुस्तान निरंतर उन्नति के शिखर को छुएँ। यही मेरी हृदय से प्रार्थना है।

– एस. विजयमुकेश, कोषाध्यक्ष, शबरी शिक्षा संस्थान, सेलम

दूर दूर से छात्र पधारे हिन्दी सीखकर सम्मान पाने

शबरी हिन्दी वाणीधर सम्मान पाते हुए

शबरी विद्या उत्सव-2025 की शानदार सफलता हेतु सभी हिन्दी प्रेमियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों का हार्दिक अभिनंदन। आपकी सहभागिता ने इसे 'विजयोत्सव' बना दिया। आइए, मिलकर 'भारत की बिंदी' हिन्दी को विश्व बिंदी बनाएँ। – एम. वेंकटेश्वरन, अध्यक्ष, शबरी शिक्षा संस्थान, सेलम

सस्नेह सम्मान वितरित करते हुए

विकास के पथ पर विजयार्थी

शुरू में रुचि न होने पर भी माँ के प्रोत्साहन और अटूट लगन से हिन्दी आज मेरी ताकत बनी । अब उत्तर भारत की यात्राओं में मैं आत्मविश्वास के साथ संवाद करती हूँ । सच है, परिश्रम से अर्जित ज्ञान जीवन को सदैव सरल और सफल बनाता है ।

– लक्षिता श्रीधर, सदस्य, शबरी शिक्षा संस्थान, सेलम

शबरी हिन्दी वाणीधर सम्मान सबसे महान

मंच पर सम्मान पाना आत्मसम्मान बढ़ाता है

विद्या उत्सव-2025 असल में विजयोत्सव है जहाँ एक या 2 नहीं 400 से अधिक सम्मानार्थी पूरे मन से भाग लेकर हिन्दी के प्रति अपनी रुचि और प्रेम दर्शा रहे थे। इस उत्सव में भाग लेकर मैं संपूर्ण हर्ष और उल्लास का अनुभव कर रहा था। - पन्नालाल,
आईआरएसई, मंडल रेल प्रबंधक, दक्षिणी रेलवे, सेलम मंडल

उन्नति उद्यम का फल होता है उद्यमी सम्मान पाता है।

वाणी विकास परीक्षाएँ हिन्दी सीखने का उत्तम मित्र है

असफलता से हारकर मैंने हिन्दी छोड़ी, पर जल्द ही अपनी कमी का एहसास हुआ। पुनः सीखने के संकल्प ने न केवल मेरा आत्मविश्वास जगाया, बल्कि कॉलेज और करियर में सफलता के नए द्वार भी खोल दिए।

– शंकर वेंकटेश्वरन, सदस्य, शबरी शिक्षा संस्थान, सेलम

आठों स्तर आसान रहे बात करने का रास्ता दिखाते

हम नहीं हमारे प्रयास सम्मानित हैं

तमिलनाडु के कोने-कोने में से आए हुए सम्मानार्थी से यह सिद्ध होता है कि शबरी प्योर तमिलनाडु में एक महान सेवा कर रही है । **'हर घर में हिन्दी, हर मन में हिन्दी'** की उनकी सेवा निरंतर चलती रहे । – **के. नागराजन,** महाप्रबंधक (सामान्य प्रशासन, जनसंपर्क एवं कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व), सेलम इस्पात संयंत्र

शबरी हिन्दी की परी है, सबको सिखाने बनी है ।

एक बार शुरू करो हिन्दी बोलना सीख जाओगे

इस विद्या उत्सव-2025 में 430 सम्मानार्थियों की मुस्कान ने हमें असीम संतोष दिया। यद्यपि हजारों शेष रहे, पर अगले आयोजन में उन्हें भी यह अवसर मिलेगा। बच्चों के खिलते चेहरे हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि हैं।

– एम. श्रीधर, संस्थापक, शबरी शिक्षा संस्थान, सेलम

विद्या उत्सव-2025 विजेताओं का उत्सव है।

शबरी हिन्दी वाणीधर सम्मान प्रेरणा का महान श्रोत है ।

प्रत्येक छात्र ने अतिथियों के कर-कमलों से गौरवपूर्ण प्रमाण पत्र प्राप्त किए। उपहार स्वरूप मिला 'शबरी शब्द सागर' उनकी शब्दावली को नई ऊँचाइयाँ देगा। छात्रों के चमकते चेहरे उनके उज्ज्वल भविष्य और अटूट उत्साह का जीवंत प्रमाण थे।

–आर.जयकरन, सदस्य, का.का. समिति, दभाहिप्र सभा, केंद्र एवं तमिलनाडु

हर घर में हिन्दी हर मन में हिन्दी, शबरी परिवार का यह मंत्र है।

மொழிகள் பல கற்றால் வழிகள் பல திறக்கும் ! சபரியின் 'வாணி விகாஸ்' தேர்வுகள் ஹிந்தியை இனிமையாக்கும். முயன்றால் முடியாதது எதுவுமில்லை; ஹிந்தி கற்போம், ஓராயிரம் பயன்கள் பெற்று உலகை வெல்வோம் !

– சுசித்ரா ஸ்ரீதர், உறுப்பினர், சபரி சிக்ஷா சன்ஸ்தான், சேலம்

मंच पर सम्मान पाना आत्मविश्वास बढ़ाता है ।

संतोष तब आता है जब वाणी विकास संभव होता है ।

मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का हृदय से आभार । 'विद्या उत्सव-2025' को भव्य और स्मरणीय बनाने के लिए आप सभी को 'शबरी परिवार' की ओर से बहुत-बहुत धन्यवाद । हिन्दी के प्रति आपका यह प्रेम और लगन सदैव बढ़ती रहे ।

- श्रीलेखा विजयमुकेश, सदस्य, शबरी शिक्षा संस्थान, सेलम

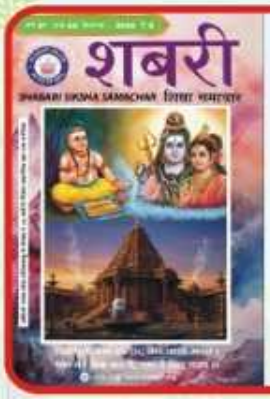

पाठकों के पत्र ...

नमस्ते जी, सभी स्टूडेंट्स और पेरंट्स बहुत खुश होते हैं। आपके बहुत धन्यावाद जी। सारे इंतज़ाम बहुत अच्छे हैं। हमें आपकी सर्विस पर बहुत गर्व है जी। हम आपके संस्थान के ज़रिए अपनी वाणी विकास पूरी करने के लिए बहुत धन्यवाद शबरी शिक्षा संस्थान।

– श्री. शारदा, सेलम, तमिलनाडु

நிகழ்ச்சி மிகவும் அருமையாக இருந்தது. நிகழ்ச்சி ஏற்பாடு சிறப்பாக இருந்தது.

- ஸ்ரீ. திவ்யா நம்பியூர், கோபி, தமிழ்நாடு

அன்பான ஆசிரியரே வணக்கம். நான் அம்பாசமுத்திரம் வேல்விழி பேசுகிறேன். நீங்கள் வாய்மொழி தேர்வில் தேர்ச்சி பெற்ற மாணவர்களுக்கு மிகவும் சிறப்பாக பட்டமளிப்பு விழா நடத்தி வைத்தீர்கள். அனைத்தும் அருமையாக இருந்தது மனதிற்கு மகிழ்ச்சி.

- ஸ்ரீ. வேல்விழி, அம்பாசமுத்திரம், தமிழ்நாடு

We, Dr K. Muthupandi Mrs Alaguprema, both participated yesterday as escorts for our two daughters, Nihashini. K. M Nikshitha. K. M from Madurai. We were very happily participated and attend yesterday's Vidya Utsav 2025 Function. We were particularly impressed with the seamless registration process and the quality of the keynote speakers. The way the event was managed was outstanding, and it was evident in the high level of engagement among all attendees. Great work to you and the team on a successful function. Best Wishes to all the Team Leaders of Vidya Utsav and Shabari Siksha Sansthan.

- Sri. Nihashini, Madurai, Tamilnadu

Ji namaste. Those who came there. All students are very happy and very thankful to you Ji, because of your arrangements. All arrangements are elegant. We are very proud of your service ji. We are very grateful for completing our vani vikas through your sansthan.

- Sri. Vijayalakshmi, Tiruppur, Tamilnadu

Thank you a lot, sir, wonderful moments, unforgettable day yesterday, nice. Happy to get the certificate, medal, bag and Shabari Shabdha Saagar Dictionary. So much helpful to all. Thank you lot sir. Very useful for language development and speech, an amazing one. Very happy, sir

- Sri. Raj Sankari, Virudhunagar, Tamilnadu

Thank you, and we are very greatful for Shabari Family for organising the wonderful programme. We are very happy to attend the program through which we all got recognition.

- Sri. Priyanka, Coimbatore, Tamilnadu

The event was outstanding, really. It is very young to receive this Vidya Utsav; it means a lot to the kids. Once again, Congratulations, Shabari ji.

- Sri. Aruna, Tiruvannamalai, Tamilnadu

I am Anu Nithya from Erode. My students are attending Vani Vikas spoken exams. Spoken hindi book was very useful, and also easily understandable for everyone to learn Hindi. Yesterday I saw Vidya Utsav in youtube channel. The function was well organised. Very useful for students. I am eagerly waiting for the upcoming Vidya Utsav. We are really thankful to you, sir encouraging students and also awarding students.

- Sri. Anu Nithya, Erode, Tamilnadu

I am delighted to share that the event was organised exceptionally well. The hospitality and arrangements throughout the function were highly appreciated. The convocation ceremony was a proud moment for our family, as my child received the certificate. Thank you for providing this valuable opportunity. It is a commendable initiative that motivates students and inspires others to achieve their goals.

- Sri. Baraneetharan, Udumalpet, Tamilnadu

Thank you very much for the valuable compliment of the Hindi Shabari Shabda Saagar for the students ...it is very useful for students.Thank you for your support and encouragement with guidance.

- Sri. Saraswathi, Kumbakonam, Tamilnadu

Vidya Utsav 2K25 was awesome, and it was organised properly. Hats off to the protocol of issuing the certificate and organising the whole event. Really, I am so grateful to those who have literally worked for this convocation ceremony and the unseen warriors of vani vikasians

- Sri. Ambiannamalai, Kumbakonam, Tamilnadu

Thank u, sir. Students are so happy to see ur wonderful, innovative gift. I.e Shabari Shabda Saagar. Thanks for ur big encouragement

- Sri. Anuradha, Chennai, Tamilnadu

I want to thank the whole Vani Vikas team for arranging this nice Vidya Utsav program. You gave us a good and encouraging place to learn. Your support and guidance helped me a lot to reach this level.

- Sri. Lakshmi Prabha, Coimbatore, Tamilnadu

Thank you for organising such a wonderful function and honouring my students with the medal and certificate. I sincerely thank you for the grand event and for awarding them.

- Sri. Uma Maheswari, Thanjavur, Tamilnadu

My heartiest congrats to SHABARI for encouraging the students like Vidya Utsav. The compliments certificate, medals,everything is super. This batch is very lucky to have this. It shows the students more to join n study for their future life. Thank you once again, SHABARI for this best moment.

- Sri. Aucther Jan, Metturdam, Tamilnadu

Posted at Salem HPO 636 001. January-2026

Published on 5th January-2026

Posted on 6th & 7th of every month. R.N.I. No. : TNMUL/1999/00402
Postal Reg. No. : TN/WR/SLM(E)/121/2024-2026
Licenced to post without prepayment. TN/WR/SLM(E)/121/WPP/2024-2026

कृपया सभी पत्र व्यवहार में अपनी सदस्यता संख्या का अवश्य उल्लेख करें।
அனைத்து கடித போக்குவரத்துகளிலும் தங்களுடைய உறுப்பினர் எண்ணை தவறாமல் குறிப்பிடவும்.
Please quote your subscription number in all correspondences.

If undelivered please return to
Shabari Siksha Samachar,
A.O. 194, Second Agraharam, Salem - 636 001.

To

DON'T TEAR THE LABEL IF UNDELIVERED

शबरी परिवार से एक और भेंट

अक्षया हिन्दी पाठ्यपुस्तक

बाल कक्षाओं से आठवीं कक्षा तक के छात्रों के लिए

- मन भावन शैली
- सामाजिक मूल्यों पर आधारित
- सरल और ज्ञानवर्धक अभ्यास
- भाषा कौशल पर आधारित
- सृजन तथा चिंतना शक्तिवर्धक
- सरल तथा शुद्ध भाषा
- छात्रों में रुचि उत्पादक
- अभिभावक का प्रिय पुस्तक
- श्रेष्ठ अध्यापक का मन मोह पुस्तक

आज ही खरीदें...
Get your copies now...

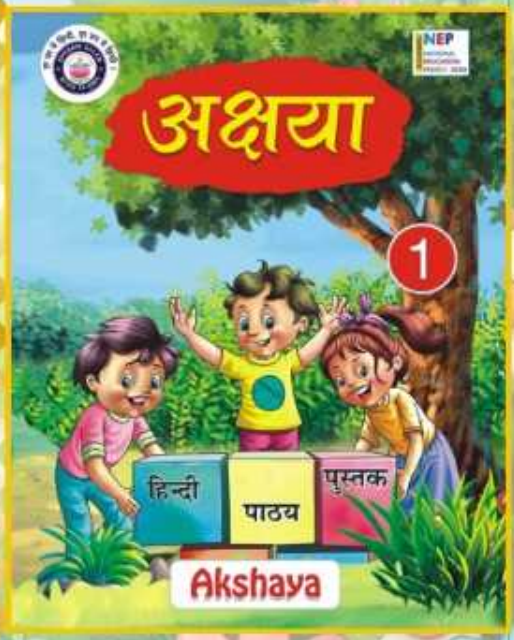

Shabari Book House proudly presents

Akshaya Hindi Paatyapusthak

a new series of Hindi third language books that inspire the learner

- Captivating storytelling
- Value-driven lessons
- Engaging book exercises
- Enhanced language proficiency
- Boosts creativity & critical thinking
- Lucid, effective language
- Sparks student curiosity
- Parent-friendly content
- The best teachers' Choice

Price

LKG.....₹ 90/-
UKG.....₹ 100/-
Std 1 to 5.....₹ 150/-